संत थॉमस स्कूल, धुर्वा, राँची - 4

मॉडल उत्तर

कक्षा – छह   पाठ – 11, छिपा रहस्य

विषय – हिंदी   पुस्तक – मंथन

अन्य भाषाओं के शब्द

सफ़ेद – उर्दू	आवाज़ – उर्दू	बेहद – उर्दू
इजाज़त – उर्दू	याददाश्त – उर्दू	ख़बर – उर्दू
वफ़ादार – उर्दू	ग़लती – उर्दू	तेज़ी – उर्दू
अक्सर – उर्दू	ज़रा – उर्दू	ट्रक – अंग्रेजी
शेखी – उर्दू	अर्ज़ – उर्दू	ड्राईवर – अंग्रेजी
रोज़ाना – उर्दू	पेंशन – अंग्रेजी	ज़ोर – उर्दू
ड्राईवर – अंग्रेजी	तनख़्वाह – उर्दू	हॉर्न – अंग्रेजी
इत्मीनान – उर्दू	रिटायर – अंग्रेजी	ब्रेक – अंग्रेजी
दरवाज़ा – उर्दू	इंकार – उर्दू	एंबुलेंस – अंग्रेजी
सेकंड – अंग्रेजी	रोज़ – उर्दू	सिर्फ़ – उर्दू
मोहलत – उर्दू	रिश्ता – उर्दू	दोस्त – उर्दू
सुपरवाइज़र – अंग्रेजी	फ़िक्र – उर्दू	

मौखिक

1. उत्तर – पिछले तीस सालों से पियरे एडवर्ड स्ट्रीट पर बसे सभी परिवारों को दूध बाँट रहा था। इसीलिए वह एडवर्ड स्ट्रीट को बहुत अच्छी तरह जानता था।

2. उत्तर – गाड़ी में दूध लादे जाने के बाद पियरे अपने घोड़े को पुचकारता था। फिर दोनों इत्मीनान से दूध बाँटने निकाल पड़ते थे।

3. उत्तर – पियरे अपने घोड़े की तारीफ करते न थकता था। वह कहता था कि मैं कभी उसकी लगाम छूता तक नहीं हूँ। कहाँ – कहाँ रुकना है, यह उसे अच्छी तरह मालूम है। अगर जोज़फ़ गाड़ी खींच रहा है, मेरी जगह अगर कोई और अंधा भी हो तो काम चल जाएगा।

4. उत्तर – जैक ने कंपनी के मैनेजर से अर्ज़ किया कि पियरे अब बूढ़ा हो गया है, इसीलिए उसे रिटायर कर दिया जाए और उसकी पेंशन बाँध दी जाए।

5. उत्तर – एक दिन सुबह जब पियरे काम पर आया तो जैक ने उसे बुरी खबर दी कि आज सुबह जोज़फ़ सो कर ही नहीं उठा। जैक जानता था कि इस खबर से पियरे को धक्का लगेगा इसलिए उसने यथासंभव उसे दिलासा देने की कोशिश की।

<u>लघु - उत्तरीय प्रश्न</u> -

1. उत्तर – दूध कंपनी के घोड़े का नाम जोज़फ़ था।

2. उत्तर – पियरे ने सफ़ेद घोड़े का नाम जोज़फ़ रखा। उसने सफ़ेद घोड़े का नाम संत जोज़फ़ के नाम पर रखा क्योंकि वे एक नेक और दयालु संत थे और पियरे को घोड़े में उनसे समानता दिखाई दी थी।

3. उत्तर – घोड़ा-गाड़ी दूध लेकर रोज़ाना एडवर्ड स्ट्रीट पहुँचती थी।

4. उत्तर – अस्तबल का मुआयना करने दूध कंपनी का मैनेजर आया था।

5. उत्तर – पियरे बरसों से एक मोटी टोपी पहनता था। टोपी के एक हिस्से से उसकी आँखें लगभग ढंक जाती थी।

<u>दीर्घ - उत्तरीय प्रश्न</u> –

1. उत्तर – घोड़ा-गाड़ी में दूध लादने के बाद पियरे और जोज़फ़ इत्मीनान के साथ सड़क पर निकाल पड़ते। पियरे के इशारे के बिना ही गाड़ी अपने आप एडवर्ड स्ट्रीट पहुँच जाती। फिर घोड़ा पहले घर पर रुकता और पियरे को नीचे उतरकर दरवाजे के सामने एक बोतल दूध रखने के लिए करीब तीस सेकंड की मोहलत देता। घोड़ा फिर दूसरे घर पर रुकता। इस तरह पियरे और घोड़ा पूरी एडवर्ड स्ट्रीट की लंबाई पार करते और दूध बाँटते।

2. उत्तर – एडवर्ड स्ट्रीट पर बसे सभी चालीस परिवारों को पियरे अच्छी तरह जानता था। घर के नौकरों को भी मालूम था कि पियरे लिख-पढ़ नहीं सकता था इसलिए वे उसके लिए कोई चिट्ठी नहीं छोड़ते थे। अगर कभी दूध की और बोतलों की ज़रूरत होती तो वे घोड़ा गाड़ी की आवाज़ सुनकर दूर से ही चिल्लाते – "पियरे, आज एक और बोतल देना।"

3. उत्तर – रिटायर होने की बात पर पियरे ने कहा कि वह और उसका घोड़ा दोनों इकट्ठे ही रिटायर हों तो अच्छा होगा। उसने जैक से वादा किया कि जब जोज़फ़ रिटायर होगा तब वह भी काम छोड़ देगा।

4. उत्तर – ट्रक ड्राइवर गुस्सा हो रहा था क्योंकि पियरे खुद ब खुद उसके ट्रक के सामने आ गया था। ट्रक ड्राइवर के सावधानी बरतने के बाद भी पियरे अंधे व्यक्ति की तरह ट्रक के सामने आ कर टकरा गया जिससे कि उसकी मृत्यु हो गई।

5. उत्तर – मानव सभ्यता के शुरुआती दौर से ही मनुष्यों और जानवरों का अटूट संबंध रहा है। सदियों से हम उनके बीच प्रेम और स्नेह से जुड़ी कहानियों को सुनते आ रहे है। प्रस्तुत पाठ में भी एक व्यक्ति और उसके घोड़े के बीच के प्रेम भाव को मार्मिक ढंग से अभिव्यक्त किया गया है। इस कहानी का सार है कि सभी प्राणी प्रेम की भाषा समझते हैं। अगर भाव सच्चा हो तो प्रेम का उत्तर प्रेम से अवश्य मिलता है। हम जो देते हैं अस्तित्व हमें वही लौटाता है।

पठित गद् यांश प्रश्न –

1. (क) I - तीस

(ख) III - पियरे

(ग) II - पढ़ – लिख

(घ) III - टोपी

2. किसने किससे कहा ?

(क) पियरे ने दूसरे लोगों से कहा।

(ख) दूध कंपनी के मैनेजर ने जैक से कहा।

(ग) पियरे ने जैक से कहा।

(घ) एंबुलेंस के डॉक्टर ने जैक से कहा।

====समाप्त====